# सावत्रिीबाई फुले

# सावित्रीबाई फुले

## (03 जनवरी, 1831 - 10 मार्च, 1897)

19वीं सदी की एक प्रमुख समाज सुधारक जिन्होंने महिला शिक्षा के क्षेत्र में काम किया

## आरंभिक जीवन

- जन्म माली समुदाय में (महाराष्ट्र)
- 9 वर्ष की आयु में 13 वर्षीय ज्योतिराव फुले के साथ विवाह- भारत के सामाजिक और शैक्षिक इतिहास में एक असाधारण युगल

## सामाजिक योगदान

- व्यक्तिगत
  - काव्य फुले (1854) और बावन काशी सुबोध रत्नाकर (1892) का प्रकाशन
  - वर्ष 1852 में महिलाओं के अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये 'महिला सेवा मंडल' की शुरुआत
  - वंचित समुदायों के लिये 'गो, गेट एजुकेशन' कविता की रचना
  - ज्योतिबा की मृत्यु (1890) के बाद सत्यशोधक समाज को आगे बढ़ाया

## ज्योतिबा के साथ

- 1848 में पूना में लड़कियों, शूद्रों और अति-शूद्रों के लिये एक स्कूल शुरू किया (महिलाओं के लिये भारत का पहला स्कूल जिसे भारतीयों द्वारा शुरू किया गया)
- 1850 के दशक में नेटिव फीमेल स्कूल (पुणे) और सोसायटी फॉर प्रमोटिंग दि एजुकेशन ऑफ महार्स एंड माँग्स की शुरुआत
- अपने ही घर में बालहत्या प्रतिबंधक गृह की शुरुआत

Drishti IAS

और पढ़ें...

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/savitribai-phule-2